हरदोई आज

कानपुर, 2 दिसम्बर, 2007

विश्व एड्स दिवस

जन जागरुकता से एड्स पर काबू पाया जा सकता है : सीएमओ

विभिन्न संस्थाओं व संगठनों ने गोष्ठी आयोजित कर एड्स की गंभीरता पर प्रकाश डाला, भारतीय जीवन पद्धति एवं नैतिक मूल्यों से एड्स को रोका जा सकता है : अशोक चंद्रा

मुख्य चिकित्साधिकारी एड्स रैली को झंडी दिखाते हुए व रैली में जाते बच्चे। छाया:आज

हरदोई 1 दिसंबर। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जनपद के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ अनेक विभागों, संस्थाओं व स्वयंसेवी संगठनो ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर एड्स की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए जन जागरुकता पर बल दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जिला चिकित्सालय के प्रांगण में ''एचआईवी एड्स को रोकने के लिए आगे आएं'' की शपथ ग्रहण की साथ ही उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिकों, चिकित्सकों व पत्रकारों ने भी इस शपथ पर हस्ताक्षर किए। मुख्य चिकित्साधिकारी डा.उबैदुर्रहमान ने कहा कि एड्स की महामारी से मुक्ति पाना संभव है परंतु इसके लिए जन जागरुकता प्रमुख कारण है और इसमें हर क्षेत्र के व्यक्ति को आगे आकर इससे बचने के उपायों की जानकारी आम आदमी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों की संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए डा.रहमान ने कहा कि इससे सिद्ध होता है कि आम आदमी एड्स के प्रति जागरुक हो रहा है इस अवसर पर अधिकारियों व कर्मचारियों ने लाल रंग के गैस के गुब्बारे हवा में उड़ाए।

सीएमओ कार्यालय से स्वास्थ्य विभाग, केयर इंडिया, सपोर्ट फार इनप्लिमेंटेशन एंड रिसर्च, जेडी पब्लिक स्कूल तथा राइका हरदोई के संयुक्त तत्वावधान में एड्स जागरुकता रैली आयोजित की गयी जिसमें लोगों द्वारा एड्स के संदेश हेतु तख्तियां तथा बैनर लेकर एड्स की जानकारी जनमानस को देने का सफल प्रयास किया गया। रैली को सदस्य/सचिव जिला एड्स समन्वय समिति द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रुप में जिला मद्य निषेध चिकित्सालय की परियोजना निदेशक सुमन भार्गव द्वारा कहा गया कि एड्स एक ऐसा लाइलाज रोग है जिससे मुक्त रहने के लिए जानकारी ही बचाव है क्योकि अब तक इस पर प्रभावी किसी भी औषधि को खोजा नहीं जा सका है। संस्थान द्वारा संचालित एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में आउट रीट वर्कर ब्रजकिशोर मिश्र ने कहा कि एड्स के बारे में तमाम तरह के भ्रम फैले हुए हैं जैसे रोगी को छूने, साथ खाने या रहने से रोग लग जाएगा इनके बारे में लोगों को सही जानकारी देने की आवश्यकता है।

अखिल विश्व शांति समिति एवं वेद मंदिर महर्षि पतंजलि योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विचार गोष्ठी में शिक्षक वक्ता अशोक चंद्रा ने कहा कि भारतीय जीवन पद्धति से एड्स को रोका जा सकता है। एड्स पर नियंत्रण के लिए नैतिक मूल्यों के पालन की महती आवश्यकता है।

जन शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में माधौगंज के फूलमती माँ सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में विशाल जागरुकता गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रो के लाभार्थियों ने प्रतिभाग किया। संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी वी.के सिंह तथा सहायक कार्यक्रम अधिकारी राजकिशोर सिंह ने एड्स के बारे में सूक्ष्म जानकारी देते हुए बताया कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम पांच लोगों को इसके प्रति जागरुक करें।